(ख) प्रबिसि नगर कीजे अब काजा, हृदयं राखि कोसलपुर राजा।
गरल सुधा रिपु करहिं मिताई। गोपद सिंधु अनल सितलाई।।
गुरूड़ सुमेरू रेनु सम ताही! राम कृपा करि चितवा जाहि।।
अति लघुरूप धरेक हनुमाना, पैब नगर सुमिरि भगवाना।।
मंदिर मंदिर प्रति करि सोधा, देखे जहँ–तहँ अगनित जोधा।।
गयक दसानन मंदिर माहीं।। अति विचित्र कहि जात सो नाहीं।।
सयन किएँ देखा कपि तेही। मंदिर महुँ न दीखि बैदेही।।
भवन एक पुनि दीख सुहावा, हरि मंदिर वहँ भिन्न का बनावा।।
रामायुध अंकित गृह सोभा बरनि न जाइ।
नव तुलसिका बृंद तहँ देखि हरष कपिराई।।

(ग) कागद पर लिखत न बनत, कहत संदेस लनात,
कहिहै कस तेरौ हियौ, मेरे हिय की बात।।
पत्रा ही तिथि पाइयै, वा घर कै चहुँ पास।
नितप्रति फन्यौई रहै, आनन–ओप ऊजास।।
बस सकोच, दशबदन–बस, साँचु दिखापति बाल।।
सिय लों सोंधति तिय तनहिं, लगनि अगुनि की ज्वाल।।

खण्ड 'स' | 2 X 12 = 24 |

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(शब्द सीमा 400-450 शब्द)
भाग–दो

किन्हीं दो दीर्घउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिये–

1. सूर के भ्रमरगीत की कथा के स्वरूप और उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।
2. 'तुलसी का समस्त काव्य समन्वय की विराट चेष्टा है।' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।
3. बिहारी के संयोग श्रृंगार की विशेषताएं बताइए।
4. पद्माकर और देव के काव्य की विशेषताएं बताइए।

————————

Roll No.....

HIN. 202/21

II SEMESTER EXAMINATION, 2021

M.A. (HINDI)

PAPER – II

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य भाग– दो

TIME – 3 HOURS **MAX MARKS – 80**

MIN MARKS – 16

नोटः प्रश्नपत्र में तीन खण्ड*अ, ब, स*, हैं । सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
खण्ड अ – सभी **बहुवैकल्पिक** प्रश्न हल करें ।
खण्ड ब – प्रत्ये क इकाई से प्रश्न हल करें ।
खण्ड स - प्रत्ये क इकाई से प्रश्न हल करें ।

खण्ड 'अ' | 2 X 8 = 16 |

बहुवैकल्पिक प्रश्न

1. भक्तिकाल का दूसरा नाम क्या है?
   (अ) पूर्व मध्यकाल (ब) उत्तर मध्यकाल
   (स) आधुनिक काल (द) चारणकाल
2. सूरदास के भ्रमरगीत सार ने 'भ्रमर' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है–
   (अ) कृष्ण के लिए (ब) उद्धव के लिए
   (स) भँवरे के लिए (द) तीनों के लिए
3. 'साहित्य लहरी' किसकी कृति है –
   (अ) सूरदास (ब) तुलसीदास
   (स) कबीरदास (द) इनमें से कोई नहीं

4. इनमें से कौन सा ग्रंथ तुलसीदास रचित नहीं है?

(अ) रामचंद्रिका (ब) हनुमान चालीसा

(स) कवितावली (द) रामश्लाका

5. 'सीता तै मम कृत अपमान' कौन सा पात्र कह रहा है?

(अ) राम (ब) रावण (स) लक्ष्मण (द) विभीषण

6. 'सतसैया के दोहरे ज्यों नाविक के तीर' किस कवि की कृति के लिए कहा गया है–

(अ) रहीम (ब) बिहारी (स) देव (द) धनानंद

7. भूषण द्वारा रचित कृति कौन सी है?

(अ) शिवराज भूषण (ब) चंद्रभूषण

(स) शिवाय (द) इनमें से कोई नहीं

8. 'कविप्रिया' व 'रसिकाप्रिया' के रचनाकार कौन है?

(अ) देव (ब) भूषण (स) केशव (द) दापू

खण्ड 'ब' | 4 X 6 = 24

लघु उत्तरीय प्रश्न(शब्द सीमा 200-250 शब्द)

1. सूरदास का संक्षिप्त जीवन परिचय दीजिए।

अथवा

भ्रमरगीत में प्रकृति चित्रण की विवेचना कीजिए।

2. रामभक्तिधारा में तुलसीदास जी का स्थान निर्धारित कीजिए।

अथवा

'सुंदरकाण्ड' के आधार पर तुलसीदास के काव्य की विशेषताएं बताइये।

3. बिहारी के काव्य की भाषा पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'बिहारी सतसई' की विशेषताओं को अंकित कीजिए।

4. केशव के काव्य व रचनाओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'धनानंद' को प्रेम की पीड़ का कवि क्यों कहा जाता है? बताइये।

खण्ड 'स' | 2 X 8 = 16

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(शब्द सीमा 400-450 शब्द)

भाग–एक

निम्नलिखित पद्यांशों की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए (कोई दो)

(क) हमारे हरि हारिल की लकरी।
मन बच क्रम नंदनंदन सों, उर यह दृढ करि पकरी।
जागत, सोवत, सपने सौं मुख, कान्ह–कान्ह जकरी।
सुनतहिं जोग लागत ऐसो अलि! ज्यों करूई ककरी।
सोई व्याधि हमें लै आए देखीं सुनी न करी।
यह तौ सूर तिन्है लै दीजै जिनके मन चकरी।